जीएसटी संग्रह 2,42,702 करोड़ पर

वस्तु एवं सेवा कर में 8 .7 प्रतिशत वृद्धि दर्ज हुई

नई दिल्ली, 01 मई अप्रैल 2026 में वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) का सकल संग्रह 2,42,702 करोड़ रुपये तक पहुँच गया, जो पिछले साल अप्रैल की तुलना में 8.7 प्रतिशत अधिक है. वित्त मंत्रालय द्वारा शुक्रवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, घरेलू और आयातित वस्तुओं पर संग्रह दोनों में वृद्धि दर्ज की गई.

अप्रैल में घरेलू जीएसटी संग्रह 1,85,122 करोड़ रुपये रहा, जो पिछले साल की तुलना में 4.3 प्रतिशत अधिक है. वहीं, आयातित वस्तुओं पर जीएसटी संग्रह 57,580 करोड़ रुपये पर पहुंच गया, जो 25.8 प्रतिशत की जबरदस्त वृद्धि दर्शाता है. विशेषज्ञों का मानना है कि आयात पर बढ़ते संग्रह का कारण वैश्विक मांग और घरेलू मुद्रा की मजबूती है.

रिफंड में वृद्धि और शुद्ध संग्रह- वित्त वर्ष के पहले महीने में सरकार ने जीएसटी रिफंड के रूप में 31,793 करोड़ रुपये का भुगतान किया, जो सालाना आधार पर 19.3 प्रतिशत अधिक है. रिफंड घटाने के बाद शुद्ध जीएसटी संग्रह 2,10,909 करोड़ रुपये रहा, जिसमें 7.3 प्रतिशत की वृद्धि हुई.

घरेलू शुद्ध संग्रह मामूली वृद्धि के साथ 1,65,126 करोड़ रुपये पर रहा, जबकि आयातित वस्तुओं पर शुद्ध संग्रह 42.9 प्रतिशत बढ़कर 45,784 करोड़ रुपये हो गया. यह आंकड़ा विदेशी व्यापार से जुड़े कर राजस्व में तेजी का स्पष्ट संकेत देता है.

आर्थिक संकेत और राज्यों का योगदान

जीएसटी संग्रह देश की आर्थिक गतिविधियों का महत्वपूर्ण संकेतक है. जब संग्रह अधिक होता है, तो यह दर्शाता है कि उपभोक्ता खरीदारी में सक्रिय हैं, उद्योग उत्पादन बढ़ा रहे हैं और टैक्स भुगतान नियमित है. बढ़ते आयात और घरेलू संग्रह दोनों ही अर्थव्यवस्था की मजबूती का प्रमाण हैं. महाराष्ट्र, कर्नाटक और गुजरात जैसे बड़े राज्यों का योगदान सरकार के राजस्व में सबसे अधिक रहा.

रुपया गिरावट से उबरा, चार पैसे मजबूत

मुंबई, 01 मई अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपया गुरुवार को शुरुआती कारोबार में 46 पैसे टूटने के बाद अंत में चार पैसे मजबूत बंद हुआ और कारोबार की समाप्ति पर एक डॉलर 94.84 रुपये का बोला गया. पिछले कारोबारी दिवस पर भारतीय मुद्रा 20 पैसे गिरकर 94.88 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुई थी जो इसका अबतक का सबसे कम बंद स्तर है.रुपये में आज शुरू से गिरावट रही. अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल में जबरदस्त तेजी के दबाव में यह 13 पैसे नीचे 95.01 रुपये प्रति डॉलर पर खुला और दोपहर से पहले ही 95.3450 रुपये प्रति डॉलर तक उतर गया. रुपया आज से पहले कभी इतना नीचे नहीं उतरा था. हालांकि बाद में कच्चा तेल नरम पड़ गया और रुपया 94.81 रुपये प्रति डॉलर तक मजबूत हुआ.

आईडीबीआई बैंक का मुनाफा गिरा

नई दिल्ली, 01 मई एलआईसी के स्वामित्व वाले आईडीबीआई बैंक ने मार्च तिमाही में शुद्ध आय में 5.3% की गिरावट दर्ज की, जो कि 1,943.2 करोड़ रुपये रही.

हालांकि, बैंक की शुद्ध ब्याज आय 17% बढ़कर 3,851.5 करोड़ रुपये तक पहुंच गई और मुख्य लाभप्रदता मीट्रिक शुद्ध ब्याज मार्जिन 15 बेसिस पॉइंट (बीपीएस) बढ़कर 4.15% हो गया. यह जानकारी बैंक ने गुरुवार को एक्सचेंज फाइलिंग में दी.

बैंक ने परिसंपत्ति गुणवत्ता में सुधार भी दर्ज किया. मार्च तिमाही में सकल गैर-निष्पादित परिसंपत्तियाँ (ग्रोस एनपीए) 6,280.94 करोड़ रुपये से घटकर 6,028.12 करोड़ रुपये रह गईं, यानी 4.02% की कमी. वहीं, शुद्ध एनपीए 425.28 करोड़ रुपये से घटकर 379.90 करोड़ रुपये हो गया, यानी 10.67% की गिरावट. प्रतिशत के हिसाब से यह क्रमशः 25 बीपीएस और 3 बीपीएस घटकर 2.32 और 0.15 हो गए.

बैंक का कुल कारोबार लगातार बढ़ रहा है और यह 6 लाख करोड़ रुपये के आंकड़े को पार कर गया है. जमा राशि 12% बढ़कर 3,47,163 करोड़ रुपये हो गई, जिसमें कम लागत वाली जमा राशि 7% बढ़कर 1,54,816 करोड़ रुपये रही. प्रतिशत के हिसाब से का योगदान 44.59% था, जो पिछले साल 46.55% था. शुद्ध अग्रिम राशि में 16% की वृद्धि हुई और यह 2,53,626 करोड़ रुपये तक पहुंच गई.

सकल अग्रिम पोर्टफोलियो में कॉर्पोरेट और खुदरा अग्रिम का अनुपात 30:70 रहा.

पूंजी पर्याप्तता और लाभांश

आईडीबीआई बैंक की पूंजी पर्याप्तता मार्च 2025 के 25 .05% से बढ़कर 26 .65% हो गई, जिसमें टियर 1 पूंजी 23 .51% से बढ़कर 25 .56% हो गई . बोर्ड ने वित्त वर्ष 2026 के लिए 10 रुपये अंकित मूल्य वाले शेयर पर 1 .55 रुपये का अंतिम लाभांश देने की सिफारिश की है . पहले चार किस्तों में 17 रुपये का अंतरिम लाभांश दिया गया था, जिससे साल का कुल लाभांश 18 .55 रुपये प्रति शेयर बनता है . रिकॉर्ड तिथि अभी घोषित नहीं की गई है .

एनएसई ने मार्केट कपलिंग का किया स्वागत

भोपाल, 1 मई. नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड ने हाल ही में इलेक्ट्रिसिटी रेगुलेटरी कमीशन द्वारा जारी पावर मार्केट (ड्राफ्ट सेकंड संशोधन) नियम, 2026 की अधिसूचना का स्वागत किया है, जो मार्केट कपलिंग लागू करने से संबंधित है.

प्रस्तावित संशोधन के अनुसार, ग्रिड इंडिया आयोग की मंजूरी से अगले 6 महीनों के भीतर पावर मार्केट कपलिंग प्रोसीजर (पीएमसीपी) तैयार करेगा, ताकि अलग-अलग पावर एक्सचेंजों में मार्केट कपलिंग को लागू किया जा सके. इस पर एनएसई ने कहा कि मार्केट कपलिंग की शुरुआत भारतीय पावर मार्केट में पारदर्शिता, कामकाज की दक्षता और एक समान कीमत तय करने की दिशा में एक बड़ा कदम है. 'वन नेशन, वन ग्रिड, वन प्राइस' के सिद्धांत के अनुसार, मार्केट कपलिंग लागू करना एक लंबे समय से इंतजार किया जा रहा सुधार है. बाजार से जुड़े लोगों का मानना है कि इससे पावर मार्केट और मजबूत होगा तथा सही तरीके से कीमत तय करने में मदद मिलेगी. मार्केट कपलिंग लागू होने के बाद, मार्केट कपलिंग ऑपरेटर (ग्रिड इंडिया) सभी तीनों स्पॉट पावर एक्सचेंजों से बोली को एक साथ इकट्ठा करेगा और एक केंद्रीकृत सिस्टम के जरिए उनका मिलान करेगा, ताकि एक ही मार्केट-क्लियरिंग प्राइस तय की जा सके.

रिलायंस रीटेल ने किया प्रियंका के ब्रांड एनोमली का अधिग्रहण

रिटेल नेटवर्क और 'टीरा' के जरिए होगा विस्तार

मुंबई, 01 मई , रिलायंस रीटेल लिमिटेड ने प्रियंका चोपड़ा जोनस के हेयरकेयर ब्रांड एनोमली का अधिग्रहण कर लिया है. इस सौदे में ब्रांड के ट्रेडमार्क, ब्रांड से जुड़ी चीजें और डिजिटल प्लेटफॉर्म शामिल हैं. इससे रिलायंस रीटेल लिमिटेड के ब्यूटी कारोबार को मजबूती मिलेगी.

एनोमली की शुरुआत 2021 में हुई थी. यह एक साफ, वीगन और अच्छी क्वालिटी वाला हेयरकेयर ब्रांड है, जो किफायती दाम में मिलता है. यह पहले से ही कई बड़े देशों में बेचा जा रहा है.

इस खरीद के बाद रिलायंस रीटेल लिमिटेड के पास इस ब्रांड का पूरा अधिकार होगा. अब कंपनी अपने बड़े रिटेल नेटवर्क और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म, जैसे 'टीरा', के जरिए एनोमली को तेजी से आगे बढ़ाएगी. कंपनी का लक्ष्य ब्यूटी और पर्सनल केयर क्षेत्र में अपनी पकड़ मजबूत करना है.

ईशा अंबानी, एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर, रिलायंस रीटेल वेंचर्स लिमिटेड ने इस सौदे पर कहा, 'एनोमाली को हमारे पोर्टफोलियो में शामिल करना नए जमाने के ब्यूटी ब्रांड्स के विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है. एनोमाली की मजबूत वैश्विक पहचान, क्लीन फॉर्मुलेशन और किफायती कीमत इसे बेहतरीन बनाते हैं. हमें विश्वास है कि प्रियंका के साथ मिलकर हम भारत में इस ब्रांड को तेजी से बढ़ा सकते हैं और साथ ही इसके अंतरराष्ट्रीय विस्तार को भी मजबूत कर सकते हैं.'

रिलायंस रीटेल लिमिटेड ने प्रियंका चोपड़ा जोनस के हेयरकेयर ब्रांड एनोमली का अधिग्रहण कर लिया है. इस सौदे में ब्रांड के ट्रेडमार्क, ब्रांड से जुड़ी चीजें और डिजिटल प्लेटफॉर्म शामिल हैं. इससे रिलायंस रीटेल लिमिटेड के ब्यूटी कारोबार को मजबूती मिलेगी. एनोमली की शुरुआत 2021 में हुई थी. यह एक साफ, वीगन और अच्छी क्वालिटी वाला हेयरकेयर ब्रांड है, जो किफायती दाम में मिलता है. यह पहले से ही कई बड़े देशों में बेचा जा रहा है. इस खरीद के बाद रिलायंस रीटेल लिमिटेड के पास इस ब्रांड का पूरा अधिकार होगा. अब कंपनी अपने बड़े रिटेल नेटवर्क और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म, जैसे 'टीरा', के जरिए एनोमली को तेजी से आगे बढ़ाएगी.

एअर इंडिया रोज 100 उड़ानें घटाएगी, शेड्यूल में कटौती

नई दिल्ली, 01 मई टाटा समूह की एयरलाइन एअर इंडिया ने बढ़ती लागत और परिचालन चुनौतियों के चलते अपने उड़ान संचालन में कटौती करने का फैसला लिया है.

कंपनी अक्टूबर के अंत से शुरू होने वाले विंटर शेड्यूल में रोजाना लगभग 100 उड़ानें कम करेगी, जो उसके कुल संचालन का करीब 10% हिस्सा है. वर्तमान में एयरलाइन प्रतिदिन लगभग 900 उड़ानों का संचालन करती है.

यह निर्णय मुख्य रूप से एविएशन टर्बाइन फ्यूल की बढ़ती कीमतों और पुराने विमानों के लिए स्पेयर पार्ट्स की कमी के कारण लिया गया है. जानकारी के अनुसार, एअर इंडिया के लगभग 30 वाइड-बॉडी विमान इंजन और स्पेयर पार्ट्स की कमी के चलते फिलहाल ग्राउंडेड हैं, जिससे संचालन पर सीधा असर पड़ रहा है.

कंपनी ने हालांकि बोइंग और एयरबस को नए विमानों के बड़े ऑर्डर दिए हैं, लेकिन उनकी डिलीवरी में अभी समय लगेगा. ऐसे में एयरलाइन फिलहाल उपलब्ध विमानों के साथ ही अपने नेटवर्क को संतुलित करने की रणनीति अपना रही है.

वेकोलि में कोयला श्रमिक दिवस संपन्न

नागपुर, 1 मई. टीम वेकोलि ने अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस के अवसर पर आज दिनांक 01 मई 2026 को कोयला श्रमिक (खनिक) दिवस मनाया.

कंपनी मुख्यालय में निदेशक (वित्त) श्री बिक्रम घोष, निदेशक (मानव संसाधन) डॉ. हेमंत शरद पांडे, मुख्य सतर्कता अधिकारी श्री अजय मधुकर म्हेत्रे, संचालन समिति के सदस्य श्री शिव कुमार यादव, श्री सी. जे. जोसेफ, श्री एस. आर. गबाले, कल्याण मंडल के सदस्य, महाप्रबंधक, विभागाध्यक्ष, अधिकारी एवं कर्मचारियों ने शहीद स्मारक तथा कोयला खनिक की मूर्ति पर पुष्पांजलि अर्पित की.

इस अवसर पर निदेशक (वित्त) श्री बिक्रम घोष द्वारा सभी को देश हित में कार्य करने हेतु संकल्प दिलाया. उन्होंने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों से सुरक्षा, अनुशासन और समर्पण के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए संगठन की प्रगति में सक्रिय योगदान देने का आह्वान किया. निदेशक (मानव संसाधन) डॉ. हेमंत शरद पांडे ने अपने सम्बोधन में सभी को श्रमिक दिवस तथा महाराष्ट्र स्थापना दिवस की शुभकामनाएं दीं. उन्होंने श्रमिकों के योगदान का जिक्र करते हुए श्रम तथा श्रमिकों के महत्व पर अपनी बात रखी.

निर्यात पर कर छूट नई दरें लागू

नयी दिल्ली , 01 मई केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के वाणिज्य विभाग ने निर्यातित उत्पादों पर शुल्कों और करों की छूट (आरओडीटीईपी) को सीमा शुल्क दरों में हाल के संशोधनों के अनुसार समायोजित करने की नयी अनुसूची अधिसूचित कर दी है, जो पहली मई से होगी प्रभावी.

मंत्रालय की गुरुवार को जारी विज्ञप्ति के अनुसार इस अधिसूचना में में आरओडीटीईपी की दरों की सूची को संशोधित सीमाशुल्क की दर संरचना के साथ तकनीकी रूप से संयोजित करने का प्रावधान है.

सोना-चांदी की कीमतों में आया उछाल

नई दिल्ली, 01 मई. देश की अर्थव्यवस्था से जुड़ी कई अहम घटनाओं के बीच 30 अप्रैल को सोना-चांदी की कीमतों में तेज उछाल देखने को मिला, वहीं रुपया डॉलर के मुकाबले रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंच गया.

साथ ही, कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के कारण तेल कंपनियों पर भारी दबाव बना हुआ है. इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 2,290 रुपए बढ़कर 1.50 लाख रुपए पर पहुंच गई. वहीं, एक किलो चांदी 4,031 रुपए की तेजी के साथ 2.40 लाख रुपए पर पहुंच गई. इस साल अब तक सोने की कीमत में करीब 17 हजार रुपए की बढ़ोतरी हो चुकी है, जो निवेशकों के बढ़ते रुझान और वैश्विक अनिश्चितताओं का संकेत है. दूसरी ओर, अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि के बावजूद देश में पेट्रोल और डीजल के खुदरा दाम स्थिर बने हुए हैं. रेटिंग एजेंसी इक्रा के मुताबिक, तेल कंपनियां पेट्रोल पर करीब 14 रुपए प्रति लीटर और डीजल पर 18 रुपए प्रति लीटर का नुकसान उठा रही हैं. मिडिल ईस्ट में जारी तनाव और सप्लाई चेन में बाधाओं के कारण कच्चे तेल की कीमतों में तेजी आई है, जिससे कंपनियों की लागत बढ़ी है.

1.50 लाख पर पहुंचा सोना

2.40 लाख रुपए पहुंची चांदी

समाचार विशेष

भाजपा के गढ़ में एआईएमआईएम की एंट्री

अहमदाबाद. गुजरात के निकाय चुनावों में इस बार एक नया राजनीतिक मोड़ देखने को मिला है. जहां असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम ने अपनी मौजूदगी दर्ज कराते हुए खासकर कच्छ इलाके में शानदार प्रदर्शन किया है. जानकारी के अनुसार, यह चुनाव इसलिए भी अहम माने जा रहे हैं क्योंकि एआईएमआईएम ने पहली बार इस क्षेत्र में प्रभावी एंट्री की है.

कच्छ जिले की भुज नगरपालिका में एआईएमआईएम को बड़ी सफलता मिली है. वार्ड नंबर 1 में पार्टी के तीन उम्मीदवारों ने जीत हासिल की. सरफराज को 3705 वोट, मुख्तार को 3581 वोट और रोशन को 3370 वोट मिले.

इसके अलावा एक सीट पर कांग्रेस उम्मीदवार को जीत मिली. इस जीत के साथ एआईएमआईएम ने कच्छ की राजनीति में अपनी जगह बना ली है और आने वाले समय में यहां मुकाबला और दिलचस्प होने के संकेत दिए हैं. वहीं, सूरत में भी राजनीतिक समीकरण बदलते नजर आए. वार्ड नंबर 19 में बीजेपी ने जीत हासिल की. जहां असलम साइकिल वाला के बेटे को हार का सामना करना पड़ा. इसके अलावा अहमदाबाद के सैजपुर बोघा क्षेत्र में भी बीजेपी पैनल ने जीत दर्ज की. जिससे पार्टी का शहरी क्षेत्रों में दबदबा बरकरार दिखा.

कांग्रेस ने बीजेपी उम्मीदवार को 171 वोटों से हराया

दूसरी ओर, सूरत के झांखवा तालुका पंचायत सीट पर कांग्रेस ने बड़ा उलटफेर करते हुए जीत हासिल की. यहां कांग्रेस उम्मीदवार किशोर चौधरी ने बीजेपी की भावना वासवा को 171 वोटों से हराया. यह सीट बीजेपी विधायक गणपतसिंह वासवा के प्रभाव वाले क्षेत्र में आती है. ऐसे में कांग्रेस की यह जीत काफी महत्वपूर्ण मानी जा रही है. गुजरात के इन निकाय चुनावों में जहां बीजेपी ने कई जगहों पर अपनी पकड़ मजबूत बनाए रखी, वहीं द्वारका की एंट्री ने राजनीति में नया रंग भर दिया है. ओवैसी की पार्टी का कच्छ में प्रदर्शन यह संकेत देता है कि आने वाले समय में राज्य की राजनीति में नए समीकरण बन सकते हैं और मुकाबला और भी रोचक हो सकता है.

बच्चू कडू बनेंगे शिवसैनिक?

हाथ में थामेंगे धनुष-बाण ; महाराष्ट्र में सियासी हलचल तेज

मुंबई. महाराष्ट्र की राजनीति में एक बार फिर बड़े बदलाव के संकेत मिल रहे हैं. प्रहार जनशक्ति पक्ष के प्रमुख और पूर्व मंत्री बच्चू कडू ने एक बड़ा बयान देते हुए स्पष्ट किया है कि वे अब शिवसेना के धनुष-बाण के साथ मिलकर काम करेंगे.

बच्चू कडू का शिवसेना में शामिल होने का फैसला न केवल उनके राजनीतिक भविष्य के लिए, बल्कि महाराष्ट्र के लाखों दिव्यांगों के लिए भी अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है.

बच्चू कडू ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि मैं शिवसेना का धनुष-बाण अब दिव्यांगों के हितों के लिए हाथ में लेने जा रहा हूं. उन्होंने आगे कहा कि महाराष्ट्र में दिव्यांगों के लिए अलग मंत्रालय तो स्थापित हो गया, लेकिन जिस स्तर पर उसका सशक्तिकरण होना चाहिए था, वह अभी तक नहीं हो पाया है. मंत्रालय के पास अधिकार और संसाधन तो हैं, लेकिन उनका लाभ जमीन पर हर दिव्यांग तक नहीं पहुंच रहा है.

प्रहार का अस्तित्व और शिवसेना की मजबूती- राजनीतिक गलियारों में यह चर्चा तेज थी कि क्या बच्चू कडू अपनी प्रहार जनशक्ति पार्टी को खत्म कर देंगे? इस पर स्थिति साफ करते हुए उन्होंने कहा कि प्रहार संगठन अपना अस्तित्व कायम रखेगा. संगठन के जरिए सामाजिक कार्यों को किया जाएगा, लेकिन राजनीतिक रूप से शिवसेना को मजबूत करना अब उनकी प्राथमिकता है.

एकनाथ शिंदे के साथ बढ़ती नजदीकी

गौरतलब है कि शिवसेना के साथ बच्चू कडू पहले से ही गठबंधन में रहे हैं. लेकिन अब उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली पार्टी के चुनाव चिह्न धनुष-बाण थामने की बात कहकर उन्होंने स्पष्ट संकेत दे दिए हैं कि वे पूरी तरह से चुनावी और प्रशासनिक मोर्चे पर शिवसेना के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलेंगे. बच्चू कडू महाराष्ट्र की राजनीति में अपने आक्रामक तेवर और गरीबों-दिव्यांगों के लिए किए गए आंदोलनों के लिए जाने जाते हैं. उनके इस फैसले से ग्रामीण इलाकों और वंचित वर्गों में बड़ा फायदा मिल सकता है.

23 साल बाद फिर थामा आरएलडी का दामन

हापुड़. लोकदल के संस्थापक सदस्यों में शामिल रहे किसान नेता केसी त्यागी चौधरी चरण सिंह के पैतृक गांव से किसान राजनीति का आगाज करेंगे. किसान और समाजवाद राजनीति में खास पहचान रखने वाले केसी त्यागी के सक्रिय होने से क्षेत्र में रालोद का जनाधार मजबूत होगा.

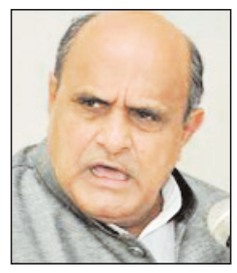

कहने को तो चौधरी चरण सिंह की प्रतिमा के सानिध्य में होने वाले आयोजन को किसान संवाद सम्मेलन का नाम दिया गया है, लेकिन इसके कई राजनीतिक निहितार्थ लगाए जा रहे हैं. इसको एनडीए के जनाधार की मजबूती के रूप में देखा जा रहा है. वहीं नाराज किसान-जाट मतदाताओं का साथ रालोद के बहाने से भाजपा को मिल सकेगा.

अब वेस्ट यूपी में सक्रिय हो रहे केसी त्यागी- चौधरी चरण सिंह को व्यवहार में जीने वाले केसी त्यागी ने पिछले महीने रालोद का दामन थामा था. उन्होंने लंबे समय तक जदयू के साथ बिहार की राजनीति की, अब वह वेस्ट यूपी में सक्रिय हो रहे हैं. वेस्ट यूपी लगातार भाजपा-एनडीए के लिए चिंतित करने वाला क्षेत्र रहा है. वहीं केसी त्यागी का वेस्ट यूपी में मजबूत जनाधार है. वह इस क्षेत्र से विधायक व सांसद रह चुके हैं. ऐसे में रालोद के साथ मिलने केसी त्यागी की जमीनी राजनीति का लाभ एनडीए की मजबूती के रूप में भाजपा को मिलना तय है.

कर्पूरी ठाकुर, चौधरी चरण सिंह व अटल बिहारी बाजपेई के साथ राजनीति करने वाले केसी त्यागी सहारनपुर से लेकर अलीगढ़ और नोएडा से मुरादाबाद तक एनडीए की मजबूती में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे. कॉलेज की राजनीति के उपरांत 1974 में उनको युवा जनता पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव बनाया गया.

किन नेताओं के साथ किया काम?

कर्पूरी ठाकुर, चौधरी चरण सिंह, विश्वनाथ प्रताप सिंह, पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर, चौधरी देवीलाल, शरद यादव, मुलायम सिंह और जार्ज फर्नांडिज के साथ वह राजनीति में प्रत्येक उतार-चढ़ाव में साथ रहे. आपातकाल में वह 18 महीने जेल में रहे. उसके बाद उन्होंने सपा ज्वाइन की और राष्ट्रीय महासचिव बनें. उन्होंने राष्ट्रीय जनता दल-यू से 2002 में मेरठ से सांसद का चुनाव लड़ा, लेकिन परास्त हो गए. चौधरी चरण सिंह के पैतृक गांव से राजनीति की नई पारी का आगाज करने और उसका नाम किसान संवाद सम्मेलन के कई अर्थ निकाले जा रहे हैं.

विशेष | **सुप्रिया सुले बोलीं-राजनीति अपनी जगह, परिवार अपनी जगह**

पवार फैमिली क्या फिर आएगी साथ?

मुंबई. महाराष्ट्र की राजनीति में 'पवार बनाम पवार' की जंग लंबे समय से सुर्खियों में है, लेकिन एनसीपी (एसपी) सांसद सुप्रिया सुले ने गुरुवार को रिश्तों की नई इबारत लिखने के संकेत दिए.

सुप्रिया सुले ने दो टूक शब्दों में कहा कि पवार परिवार कल भी एकजुट था, आज भी है और कल भी रहेगा. उनके इस बयान को अजित पवार गुट और शरद पवार गुट के भविष्य में साथ आने का संकेत माना जा रहा है. सुप्रिया सुले ने पारिवारिक रिश्तों और राजनीति के बीच एक स्पष्ट रेखा खींचते हुए कहा, राजनीति और परिवार को कभी भी भ्रमित नहीं किया जाना चाहिए. मैं अपने पारिवारिक संबंधों को संजोती हूं और मेरे मन में अपने ही परिवार के खिलाफ चुनाव लड़ने की कोई इच्छा नहीं है. सुले ने स्पष्ट किया कि उनकी यह भावना केवल पिछले चुनावों तक सीमित नहीं थी, बल्कि 2029 के लिए भी उनका रुख यही रहेगा.

2029 का जिक्र

राजनीतिक गलियारों में सुप्रिया सुले द्वारा '2029' का जिक्र करना काफी अहम माना जा रहा है. जानकारों का मानना है कि सुले ने यह संकेत दिया है कि वे भविष्य में परिवार के सदस्यों के आमने-सामने आने वाली स्थिति से बचना चाहती हैं. उन्होंने कहा, आंतरिक लड़ाइयां केवल पार्टी कार्यकर्ताओं को जख्म देती हैं. मैं कभी ऐसा कोई कदम नहीं उठाऊंगी जिससे मेरे कार्यकर्ताओं को कष्ट हो. अमरावतीसांसद सुप्रिया सुले ने कहा कि उनका एकमात्र मिशन 'राष्ट्र सेवा' है, चाहे उन्हें कहीं से भी प्रतिनिधित्व करने का मौका मिले. उन्होंने स्पष्ट किया कि वे पद या चुनावी प्रतिद्वंद्विता के बजाय जनता की समस्याओं के समाधान और विकास पर ध्यान केंद्रित करना चाहती हैं.